|| श्री महावीराय नम : ||

श्री ग्रेटर बोम्बे वर्धमान स्थानकवासी जैन महासंघ

संचालित

मातुश्री मणिबेन मणशी भीमशी छाडवा धार्मिक शिक्षण बोर्ड

Website : www.jainshikshan.org **E mail :** jainshikshanboard@gmail.com

११ जान्युआरी २०२६ **महिला मंडल** **कुल गुण : १००**

सूचना : १) जिस प्रकार सवाल पूछा गया हो उस प्रकार जवाब लिखने हैं। वार्ता एवं थोकडे के लंबे जवाब लिखने नहि हैं।

२) आप के जवाब पेपर में आपने ओपन बुक दी है कि रेग्युलर यह खास लिखना हैं। जिसने नहीं लिखा रहेगा यदि उसका नंबर आएगा फिर भी नंबर नहीं दिया जाएगा।

श्रेणी - १

STUDENT NAME		ROLL NO.	
DATE OF BIRTH		MOBILE NO.	
OPEN /REGULAR		WRITER YES/NO	
SANGH NAME		SUPARVISOR SIGN	
MAHILA MANDAL		TOTAL MARKS	

(४०)

प्र. १ सामायिक-प्रतिक्रमण के आधार पर लिखिए।

(१) निम्नलिखित पाठों की पूर्ति कीजिए। (नीचेना पाठनी पूर्ति करो।) **(१०)**

१. अन्नत्थ ..... जंभाईएणं

२. गमणागमणे ..... उत्तिंग

३. सम्माणेमि ..... पज्जुवासामि

४. ताव ..... अप्पाणं

५. सिद्धाणं .....

..... साहूणं

(२) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए। (नीचेना शब्दोना अर्थ लखो।) **(७)**

१. ओसा ..... २. अविराहिओ .....

३. उड्डुएणं ..... ४. वत्तिया .....

५. सव्व ..... ६. आयाहिणं .....

७. अप्पाणं .....

(३) निम्नलिखित शब्दों के मूल पाठ (मागधी शब्द) लिखिए। (नीचेना शब्दोनुं मागधी लखो।) **(७)**

१. उधरस आने से (उधरस आववाथी) .....

२. टूटे नहि (भांगे नहि) .....

३. रास्ते में जाते आते (रस्तामां जता आवता) .....

४. नमस्कार हो (नमस्कार हो) .....

५. जालों का (करोळियाना जाळा) .....

६. धर्मदेव रुप है (आप धर्मदेव छो) .....

७. मूल से नाश करने के लिए (मूळथी नाश करवाने माटे) .....

(४) निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर एक शब्द में लिखिए। (नीचेना प्रश्नोना उत्तर एक शब्दमां लखो।) (१०)

१. उत्कृष्ट वंदना किस आसन में बैठ के की जाती है? (उत्कृष्ट वंदना कया आसनमां बेसीने करवानी छे?)

.....

२. नमो शब्द किसका सूचक है? (नमो शब्द कोनो सूचक छे?) .....

३. जघन्य वंदना किस शब्द से की जाती है? (जघन्य वंदना करती वखते कयो शब्द बोलाय छे?)

.....

४. आत्मा की विशेष शुद्धि का सूत्र कौन सा है? (आत्मानी विशेष शुद्धि करवा माटेनुं कयुं सूत्र छे?)

.....

५. शल्य कितने प्रकार के होते है? (शल्यना केटला प्रकार छे?) .....

६. प्रगति में क्या नहीं बनना है? (कोइनी प्रगतिमां शुं बनवानुं नथी?) .....

७. नमस्कार सूत्र के स्मरणे से हमारा वचन कैसा बनता है।? (नमस्कार सूत्रना स्मरणथी आपणुं वचन केवुं बने छे?)

.....

८. वंदना किसको कम करती है? (वंदनाथी शुं घटे छे?) .....

९. किसकी आज्ञा ग्रहण करनी चाहिए? (आत्मशुद्धिने वरवा कोनी साथे रहेवानुं छे?) .....

१०. अरि यानी क्या? (अरि एटले शुं?) .....

(५) निम्नलिखित वाक्य सही या गलत। गलत को सुधारो। (नीचेना वाक्यो साचा छे के खोटा? खोटा होय ते सुधारो।) (६)

१. कायोत्सर्ग द्वारा कर्म की निर्जरा होती है। (काउस्सग्ग द्वारा कर्मनी निर्जरा थाय छे।)

.....

२. किसी भी जीव को किसी भी प्रकार से दु:खी करना पाप है। (कोइपण जीवने कोइपण प्रकारे दु:खी करवा ए पाप छे।)

.....

३. पंच परमेष्ठी के गुण १०८ है। (पंच परमेष्ठीना गुण १०८ छे।) .....

४. सिद्ध भगवान सिद्धशीला में बिराजते है। (सिद्ध भगवान सिद्धशीलामां बिराजे छे।)

.....

५. गुरु का स्वागत करना सन्मान है। (गुरुनुं स्वागत करवुं सन्मान छे।)

.....

६. कायोत्सर्ग स्व से पर को प्राप्त करने की प्रक्रिया है। (काउस्सग्ग ए स्व द्वारा पर ने पामवानी प्रोसेस छे।)

.....

(२०)

प्र. २ सामान्य समझ विभाग के आधार पर लिखिए। (सामान्य समजण विभागना आधारे लखो।)

(१) निम्नलिखित प्रश्नो के निर्देशानुसार उत्तर लिखिए। (नीचेना प्रश्नोना उत्तर मांग्या प्रमाणे लखो।) (१२)

१. गणधर ९ और २ .....

२. तीर्थंकर २, २२ और १२ .....

.....

३. द्रव्य पांचवा (द्रव्य पांचमुं) .....

४. सती १४, ४ और ७ .....

५. काय तीसरी (काय त्रीजी) .....

६. जीवों की रक्षा का साधन (जीवदयानी रक्षानुं साधन) .....

७. भव में रहने की सीमा तय करनेवाला कर्म (भवमां रहेवानी मर्यादा निश्चित करावतुं कर्म)

.....

(२) मुजे पहचानो मैं कौन? (मने ओळखो।) (८)

१. संपूर्ण लोक में मैं विद्यमान हूं। (संपूर्ण लोकमां मारुं अस्तित्व छे।) .....

२. सामायिक में श्रावक मुजे धारण करते है। (सामायिकमां श्रावको पहेरे।) .....

३. सत्य का दर्शन करानेवाला मैं हूं। (सत्यनुं दर्शन करावावाळो हुं छुं।) .....

४. शील मेरा आभूषण है। (शील मारुं आभूषण छे।) .....

५. मेरे स्मरण से दर्शन की विशुद्धि होती है। (मारा स्मरणथी दर्शननी विशुद्धि थाय छे।)

.....

६. हमें १४ पूर्व सहित १२ अंगों का ज्ञान है। (अमने १४ पूर्व सहित १२ अंगनुं ज्ञान छे।)

.....

७. हम सच्चा धर्म दिखाते है। (अमे सत्य मार्गनी समजण आपीए छीए।) .....

८. मैं सत्य से विमुख बनाता हूं। (हुं सत्यथी विमुख करुं छुं।) .....

(१५)

प्र. ३ संस्कार विभाग के आधार पर लिखिए। (संस्कार विभागना आधारे लखो।)

(१) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए। (खाली जग्या पूरो।) (१०)

१. जय जिनेन्द्र से आभा ..... और ..... बनती है। (जय जिनेन्द्रथी आपणी ओरा ..... अने ..... बने छे।)

.....

२. विनम्र व्यक्ति ..... होता है, विनय ..... तप है। (विनयी व्यक्ति ..... होय छे, विनय ..... तप छे।)

.....

३. भोजन करते समय ..... भाव न रखें। अंकुरित अनाज में ..... जीव होते है। .....

(भोजन करती वखते ..... भाव न राखवो। फणगावेला कठोळमां ..... जीव छे।)

४. विनम्र व्यक्ति की वाणी ....., ... और ..... होती है। (विनम्र व्यक्तिनी वाणी....., ... और ..... होय छे।)

.....

५. उपकारी का जीवन ....., ... और ..... होता है। (उपकारीनुं जीवन ....., ..., अने ..... बने छे।)

.....

६. धर्म ....., ... मंगल है। वह जीवन को ..... और ..... की ओर लेकर जाता है।

(धर्म ....., ... मंगळ छे। ते व्यक्तिना जीवनने ..... अने ..... तरफ दोरी जनार छे।)

.....

७. ग्लूकोज चढाना ..... आहार है। (ग्लुकोझ चडाववो ..... आहार छे।) .....

८. उपकार मानने से ....., ... कर्मों का क्षयोपशम होता है। .....

(उपकार मानवाथी ....., ... कर्मोनो क्षयोपशम थाय छे।

९. मेरी आत्मा ..... पद की प्राप्ति कर लेंगी। (मारो आत्मा ..... पदनी प्राप्ति करे।) .....

(२) निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर एक वाक्य में लिखिए। (नीचेना प्रश्नोना उत्तर एक वाक्यमां लखो।) (५)

१. नोन-वेज परोसा जाता हो वहां जाने से कौन सा पाप लगता है?

(नोन-वेज बनतुं होय तेवी होटॅलमां खावाथी कयो दोष लागे छे?)

.....

२. शेठ के उपकार से मुक्त होने के लिए क्या करना चाहिए? (शेठना उपकारथी मुक्त थवा माटे तेने शेनी प्रेरणा करवी?)

.....

३. नम्रतापूर्ण व्यवहार किसके साथ करना चाहिए? (कोनी साथे नम्रतापूर्वकनो व्यवहार करवो?)

.....

४. दिन की शुरुआत कैसे करे? (दिवसनी शरुआत केवी रीते कराय?)

.....

५. विनय से क्या टूटता है? क्या मिटता है? (विनय कोने कोने हरे छे?)

.....

(५)

प्र. ४ धर्म और विज्ञान के आधार पर जोडी बनाओ। (जोडका जोडो।)

(अ)	(ब)	जवाब
१. परमात्मा	१. देशना	.....
२. समवसरण	२. विराधना	.....
३. वनस्पति	३. आंतरदृष्टि	.....
४. रात्रिभोजन	४. जगदीशचंद्र बोझ	.....
५. धर्म	५. सत्य	.....

(१०)

प्र. ५ वार्ता के आधार पर लिखिए।

(१) निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए। (नीचेना प्रश्नोना जवाब मांग्या प्रमाणे लखो।) (५)

१. मेघरथ राजा को अंतिम भव में कौन सी पदवी मिली? (मेघरथने अंतिम भवमां कई पदवीओ मळी?) दो शब्द में लिखिए।

.....

२. नयसार को सुपात्रदान से किसकी प्राप्ति हुई? (नयसारने सुपात्रदानथी शेनी प्राप्ति थई?) एक शब्द में लिखिए।

.....

३. कमठ कौन सी तपस्या कर रहा था? (कमठ कयुं तप करतो हतो?)

.....

४. आर्द्रकुमार ने क्या करके कर्मों को नष्ट किया? (आर्द्रकुमारे शेना द्वारा कर्मोंनो क्षय कर्यो?) दो शब्दों में लिखिए।

.....

५. महापुरुष शरण में आनेवाले के साथ क्या करते है? (महापुरुषो शरणे आवेलानुं शुं करे छे?)

.....

(२) सही विकल्प चुनें। (योग्य विकल्प पर टीक करो।) (५)

१. हमें किस भावना का भाव करना चाहिए? (आपणे शेनी भावना भाववी जोइए?) (अभयदान, सुपात्रदान, ज्ञानदान)

२. सच्चा धर्मी किसको नमस्कार करता है? (साचो धर्मी कोने नमस्कार करे छे?) (गुणी, धर्मी, विनयी)

३. जो धर्म का मार्ग दिखाता है, उसे क्या कहते है? (जे धर्मनो मार्ग देखाडे तेने शुं कहेवाय?) (कल्याण मित्र, देव, गुरु)

४. हम कैसा कार्य करेंगे? (आपणे केवा कार्य करशुं?) (धर्म, स्वार्थ, परमार्थ)

५. नयसार कितने सेवकों को साथ में लेके गया? (नयसार केटला सेवकोने साथे लई गयो?) (३००, ५००, ७००)

(१०)

प्र. ६ काव्य विभाग के आधार पर काव्य की पूर्ति करे। (निम्नलिखित काव्यनी पूर्ति करो।)

१. गुस्सा (क्रोध) .....

.....

..... जाओ ना (बंधाय ना)

२. बारह (बार) .....

.....

..... बारह (बार)

३. क्षमा (क्षमाना) .....

.....

..... किसी से (बदलो)

४. अहिंसा .....

.....

.....

..... हारा (सारो)

जय जिनेन्द्र

- PLEASE CONATACT DSB HELPLINE NO. 9702277914 FOR FREE ONLINE SHRENI CLASSES.
- NEXT CLASS STARTS FEBRUARY 2ND/3RD MONDAY AND TUESDAY.
- TO JOIN OUR TELEGRAM GROUP. CONTACT DSB HELPLINE NO. 9702277914.
- FOR BOOKS AND EXAM REGISTRATION.